



NALANDA JILLA ME AADHARBHUT SANRACHANA KA VIKAS: EK BHAUGOLIK ADHYAYAN

नालंदा जिला में आधारभूत संरचना का विकास : एक भौगोलिक अध्ययन

Dr. Alok Kumar

PhD., M.U., प्राध्यापक, महेश सिंह यादव इंटर कॉलेज (गया)

ABSTRACT

नालंदा जिला का निर्माण 9 नवम्बर 1972 ई० को हुआ, इसके पूर्व नालंदा पटना जिला का एक सबडिविजन था, जो बिहारशरीफ के नाम से जाना जाता था। अर्थात् हम कह सकते हैं कि पुराना पटना जिला का बिहारशरीफ अनुमंडल ही अब नालंदा जिला के नाम में बिहार के मानचित्र में जाना जाता है और इस जिला का मुख्यालय भी बिहारशरीफ है। नालंदा जिला का नामाकरण नालंदा विश्व विद्यालय के नाम पर किया गया है।

“नालंदा” नालम् + दा = नालंदा

“नालम्” का अर्थ कमल

कमल का मतलब ज्ञान होता है।

“दा” का मतलब देने वाला

नालंदा, ज्ञान देने वाला को नालंदा कहा जाता है।

नालंदा जिला दक्षिण बिहार के मैदान में बसा हुआ बिहार का एक महत्वपूर्ण जिला है। इसका विस्तार 24°26'51" उत्तरी अक्षांश से 25°27'43" उत्तरी अक्षांश एवं 85°10'8" पूर्वी देशान्तर से 85°54'18" पूर्वी देशान्तर के बीच है। इसका क्षेत्रफल 2370 वर्ग किलोमीटर एवं 2011 के जनगणना के अनुसार यहाँ की जनसंख्या 2877653 है, जिसमें 2415034 ग्रामीण लोगों की आबादी है। इस जिला के उत्तर में पटना जिला, दक्षिण में गया एवं नवादा जिला, पूरब में शेखपुरा जिला एवं पश्चिम में जहानाबाद और गया जिला स्थित है जो इसके सीमा का निर्धारण करते हैं।

संकेत शब्द: कृषि, उद्योग, परिवहन, चिकित्सा, भौगोलिक अध्ययन, आधारभूत संरचना का विकास।

संकल्पना :

कृषिगत विविधता एवं ग्रामीण विकास दो ऐसे पहलू हैं जिनपर अवस्थापनात्मक तत्वों का प्रभाव पड़ता है। इन तत्वों के कारण आर्थिक भूदृश्य में निरंतर परिवर्तन होने से क्षेत्र का आर्थिक तंत्र सुदृढ़ होता है। यहाँ ग्रामीण विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख अवस्थापनात्मक तत्वों जैसे कृषि यंत्रीकरण, उद्योग, परिवहन, पशु, संसाधन, शिक्षा, विधुतीकरण, सिंचाई, उर्वरक एवं बीज वितरण केन्द्र, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा बैंक इत्यादि का अध्ययन किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य :

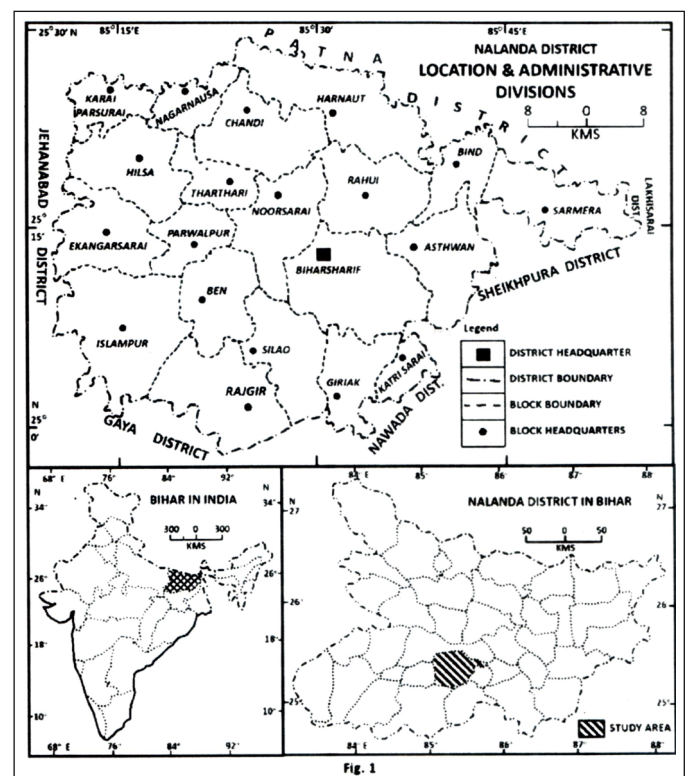
1. नालंदा जिला में कृषि यंत्रीकरण का विकास नई-नई तकनीक अपनाने पर जोर देना।
2. नालंदा जिला में परिवहन की विकास का संभावनाओं का अध्ययन करना।
3. नालंदा जिला में चिकित्सा सेवा का विकास में सरकार की योगदानों का अध्ययन करना।
4. नालंदा जिला में नई-नई तकनीक पर उद्योग की संभावनाओं की समीक्षा करना।

विधि तंत्र :

वर्तमान अध्ययन प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़े पर आधारित होगा।

प्राथमिक आंकड़ों के लिए नालंदा जिला के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से प्रश्नावली एवं अनुसूची तैयार कर प्रतिचयन एवं यादृशिक विधि द्वारा मुख्य रूप से आँकड़ों का संग्रह किया गया है। साथ ही विकास केन्द्रों से संचालित लाभ के योजनाओं की जानकारी प्राप्त किया गया है।

द्वितीयक आंकड़ों का संग्रह प्रखंड स्तर पर बी.डी.ओ. सी.ओ. कार्यालय से ग्रामीण बैंकों द्वारा जिला मुख्यालय द्वारा प्राप्त किया गया।



परिसंकल्पना :

प्रस्तुत पत्र में निम्नलिखित संकल्पनाओं पर विचार किया गया।

1. नालंदा जिला में आधारभूत संरचना के सुविधाओं के विकास पर आधारित है।
2. नालंदा जिला में सड़क के विकास से व्यापक संरचना का विकास होना।
3. नालंदा जिला में अनेक उद्योगों की स्थापना करने एवं रोजी रोजगार मुहैया करवाने की संभावना है।

उद्योग :

खनिज संसाधन रहित नालंदा जिला औद्योगिक दृष्टिकोण से पिछड़ा है। जिला में तीन पहाड़ हैं, राजगीर की पहाड़ियाँ, पार्वती की पहाड़ियाँ, बिहारशरीफ की पीर पहाड़ी मौजूद है। जो पर्यटक के रूप में विकसित किये जा रहे हैं। सामान्यतः इस क्षेत्र में विकसित औद्योगिक भूदृश्य पारस्परिक हस्त कौशल पर आधारित है, जो घरेलू धंधों के रूप में ग्रामीण तथा छोटे कस्बों में परम्परागत ढंग से चल रहे हैं। आधुनिक युग में परम्परागत, तकनीक सुधार एवं परिवर्तन के फलस्वरूप औद्योगिक नवीकरण तेज हो रहा है। इसका प्रभाव सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। कृषि भी इससे प्रभावित है। हस्तकरघा वस्तु उद्योग, बीड़ी उद्योग, टीन के बक्से बनाना, ताला बनाना, कैची, छुरी, टोकरी, श्रेणर, कृषि यंत्र, झुला बनाना मिठाई बनाना, चटाई बनाना, बॉस के टोकरी बनाना, लकड़ी कई तरह के सामान बनाना आदि कई प्रकार के सामानों का निर्माण कुटीर उद्योग के अंतर्गत यहाँ किया जाता है।

परिवहन :

किसी प्रदेश में परिवहन या यातायात के साधन उस प्रदेश के लिए धमनियाँ और शिराएँ होती हैं। जिसके सहारे मानव एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचता है। यातायात के साधन के सहारे विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के मध्य संचार कार्य परिपूर्ण होता है। नालंदा जिला के अधिकांश भाग में अब सड़क बन गये हैं, जो प्रायः जिला के सभी प्रखण्डों को मुख्यालय से जोड़ने का कार्य किया गया है। जिला के सभी गाँव प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत मुख्य सड़कों से जोड़ दी गई है। सर्वेक्षण के अनुसार नालंदा जिला का शायद कोई ऐसा गाँव होगा जहाँ पक्की सड़क का अभाव है। नालंदा जिला से होकर एन.एच.-31 पटना रॉची रोड गुजरती है। पटना-गया भाया बिहारशरीफ भी एन.एच. नालंदा जिला से होकर गुजरती है। राजकीय पथ भी बनाये गये हैं जहाँ से यातायात व्यवस्था सुगम हो गया है। इसके अलावे प्रायः सभी गाँव को ग्रामीण सड़कों के द्वारा अंचल एवं जिला कार्यालय से जोड़ दिया गया है। नालंदा जिला से होकर बख्तियारपुर तिलैया एवं फतुहौ-इस्लामपुर रेलवे लाईन गुजरती है, जो इस जिला का जीवन रेखा है। साथ ही बिहारशरीफ-शेखपुरा रेलवे लाईन एवं इस्लामपुर, नरहट रेलवे लाईन निर्माणाधीन है। नालंदा जिला से सीधे दिल्ली, कोलकता इत्यादि जगहों के लिए रेल सेवा उपलब्ध है।

चिकित्सा सेवाएँ :

कहते हैं कि 'एक स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ और विकसित मन का निवास होता है। स्वस्थ से सम्बद्ध दो प्रकार के परितत्व हैं, वे जो लोगों के स्वास्थ्य स्थिति एवं भौतिक वातावरण के सम्पर्क में होते हैं तथा वह जो स्वास्थ्य सेवा तथा क्रियाकलाप की निर्धारित क्षेत्रों में देखरेख करते हैं। स्वास्थ्य सेवा भी विकासात्मक कार्यक्रम का प्रवेश द्वार है। इसी प्रकार स्वास्थ्य सेवाओं का विकास से क्षेत्र के लोगों का उपचार एवं चिकित्सा प्रदान किया जाता है। यहाँ पावापुरी मेडिकल कॉलेज पावापुरी (नालंदा), राजगीर नेत्र चिकित्सालय, जिला चिकित्सालय बिहारशरीफ इत्यादि महत्वपूर्ण चिकित्सालय हैं। इसके अलावे सभी प्रखण्ड स्तर पर राजकीय चिकित्सालय सेवा प्रदान करता है। इनके अलावे पंचायत स्तर पर भी पी. एच.सी. पब्लिक हेल्थ सेंटर कार्यरत हैं। इनके अलावे सभी प्रखंड अनुमंडल स्तरीय अधिकांश केन्द्रों में बड़ी संख्या में प्राइवेट चिकित्सक चिकित्सा सेवा प्रदान कर रहे हैं। प्रत्येक प्रखंड में स्थिति राजकीय

चिकित्सालयों में डॉक्टर, तकनीशियन, कम्पाउन्डर एवं अन्य स्टाफो की संख्या बढ़ाने के साथ ही आधारभूत संरचनाओं का भी विस्तार करना चाहिए। जिस गति से जनसंख्या का विस्तार हो रहा है, रोग भी बढ़ रहे हैं साथ ही रोगी भी। अतः अस्पतालों में कमरा, बेड एवं अन्य आवश्यक सामानों एवं ऑपरेशन थियेटर इत्यादि में भी वृद्धि करने की आवश्यकता है। जिला में चिकित्सा सुविधा वर्तमान रूप नीचे की तालिका में स्पष्ट है :-

तालिका संख्या-1**नालंदा जिला के राजकीय चिकित्सा केन्द्र (2018)**

क्र०सं०	स्वास्थ्य केन्द्र	संस्थानों की संख्या
1.	प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र	20
2.	स्वास्थ्य उपकेन्द्र	370
3.	चिकित्सालय सदर	01
4.	परिवार नियोजन केन्द्र	21
5.	ब्लड बैंक	02
6.	अनुमंडल चिकित्सालय	02
7.	रेफरल चिकित्सालय	04
8.	अतिरिक्त प्राथमिक चिकित्सालय	45

स्रोत :- नालंदा जिला स्वास्थ्य विभाग।

शैक्षणिक संस्थाएँ :

शैक्षणिक संस्थान एक विकासशील और मध्य समाज की रीढ़ होते हैं। शिक्षा के दृष्टिकोण से नालंदा जिला बिहार राज्य के मध्यम श्रेणी का जिला है। यहाँ पुरुष साक्षरता 74.86 एवं महिला साक्षरता 53.10 प्रतिशत है। जबकि बिहार राज्य में पुरुष साक्षरता 71.30 प्रतिशत एवं महिला साक्षरता 51.50 प्रतिशत है और भारत वर्ष में पुरुष साक्षरता 80.9 प्रतिशत एवं महिला साक्षरता 64.6 प्रतिशत है। यों तो नालंदा जिला में शिक्षा की स्थिति ठीक है। यहाँ शिक्षा संस्थाओं की संख्या निम्न प्रकार है :-

तालिका संख्या-2**नालंदा जिला में शिक्षण संस्थानों की संख्या (2018)**

क्र०सं०	विवरण	संस्थानों की संख्या
1.	प्राथमिक विद्यालय	1352
2.	अपर प्राथमिक विद्यालय	805
3.	उच्च विद्यालय 102	200
4.	महाविद्यालय	20
5.	विश्वविद्यालय	2+1
6.	मदरसा	11
7.	मेडिकल कॉलेज	01

जबकि नालंदा जिला की आबादी 2877653 है 2011 की। बिहार प्लानिंग कमीशन के 1926 के अनुशंसा के अनुसार 75000 से 100000 की आबादी पर डिग्री कॉलेज, 15000 की आबादी पर माध्यमिक विद्यालय और 2000 की आबादी पर प्राथमिक विद्यालय की स्थापना होना चाहिए। बढ़ती हुई जनसंख्या के आवश्यकता के अनुसार शिक्षण संस्थानों की स्थापना की आवश्यकता है।

निष्कर्ष :

संचार सेवा, बैंक, प्रशासनिक व्यवस्था, बीज एवं उर्वरक वितरण केन्द्र पशु चिकित्सालय एवं गर्भाधान केन्द्र, शीत भण्डार, कृषि यंत्र मरम्मत केन्द्र, कृषि ऋण समितियाँ, बाजार मंडी की सुविधाएँ इसके अंतर्गत आती हैं। नालंदा विकसित कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था का क्षेत्र है। सड़कों, संचार संसाधनों एवं कृषि प्रविधियों द्वारा अर्थव्यवस्था विकास की ओर

धीमी गति से अग्रसर है। यहाँ सेवा केन्द्रों में विपणन की सुविधाएँ प्राप्त है। आवर्ती बाजार, डाकघर, मातृ शिशु कल्याण केन्द्र इत्यादि छोटे सेवा केन्द्रों में विकसित हो रहे हैं।

संदर्भ सूची :

- I. स्टील आर०डब्ल्यू०, ब्रिटिश ट्रोपिकल अफ्रीका में भूमि और लोग 1955 भाग-40 पृष्ठ-23
- II. द्विवार्थी जी.टी.ए. ज्योग्राफी ऑफ पॉपुलेशन वर्ल्ड पैटर्न 1969 पृष्ठ-77
- III. प्रियानी, वी.वी. इंजिनियरिंग, पृष्ठ-3
- IV. इविड-पृ 365-76
- V. मिश्रा, दीपक, एडंली न्यूज पेपर, पटना एडिशन, 29 मई 2006, पृष्ठ-1